



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 71]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 16, 1996/माघ 27, 1917

No. 71]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 16, 1996/MAGHA 27, 1917

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

सा.का.नि. 93(31):—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) दूसरा संशोधन नियम, 1996 है।

(2) ये 1 नवम्बर, 1993 से प्रवृत्त हुये समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) नियम, 1960 के नियम 19 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'कर्मचारिवृन्द नियम' कहा गया है) उपनियम (2क) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"2क. (क) ऊपर उपनियम (1) और (2) में जो कथित है, उसके होते हुए भी कोई कर्मचारी, 55 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर नियुक्ति प्राधिकारी

को तीन मास की लिखित सूचना देकर, सेवानिवृत्त हो सकेगा।

(ख) (i) खण्ड (क) के उपबन्धों के होते हुए भी, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 द्वारा शासित कोई कर्मचारी बीस वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् किसी भी समय नियुक्ति प्राधिकारी को कम से कम नब्बे दिन की लिखित सूचना देकर सेवा निवृत्त हो सकेगा।

परन्तु यह उपखण्ड प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारी को तब तक लागू नहीं होगा जब तक कि वह स्थानांतरित होने पर या भारत लौटने पर भारत में उस पद का कार्यभार पुनः ग्रहण नहीं कर लेता और कम से कम एक वर्ष की सेवा पूरी नहीं कर लेता है।

परन्तु यह भी कि यह उपखण्ड ऐसे कर्मचारी को लागू नहीं होगा जो ऐसे किसी स्वशासी निकाय या पब्लिक सेक्टर उपक्रम में स्थायी रूप से आंगणित होने के लिए सेवानिवृत्त होना चाहता है जिसमें कि वह स्वैच्छिक सेवानिवृत्त मांगने के समय प्रतिनियुक्ति पर हो।

(ii) खण्ड (ख) के उपखण्ड (1) के अधीन दिए गए स्वैच्छिक सेवानिवृत्त की सूचना के लिए नियुक्ति प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक होगी

परन्तु यदि नियुक्ति प्राधिकारी, उक्त सूचना में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले, सेवानिवृत्ति के लिए अनुशासने में इन्कार न करे तो सेवानिवृत्ति उक्त अवधि की समाप्ति की तारीख से प्रभावी हो जाएगी।

- (iii) (क) उपखण्ड (1) में निर्दिष्ट कर्मचारी, नियुक्ति प्राधिकारी को यह कारण बताते हुए लिखित अनुरोध कर सकेगा कि स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए नब्बे दिन में काम की सूचना स्वीकार कर ली जाए।

(ख) ऐसा अनुरोध प्राप्त होने के खण्ड (ख) के उपखण्ड (ii) के उपबंधों के अधीन रहते हुए गुणावगुण के आधार पर सूचना की नब्बे दिन की अवधि में कमी करने के अनुरोध पर विचार कर सकेगा और यदि वह इस बात से संतुष्ट है कि सूचना की अवधि में कमी करने से कोई प्रशासनिक असुविधा पैदा नहीं होगी तो नियुक्ति प्राधिकारी, सूचना संबंधी इस अपेक्षा को शिथिल कर सकेगा।

- (iv) ऐसे कर्मचारी को, जिसने इस नियम के अधीन सेवानिवृत्त होने का चयन किया है और नियुक्ति प्राधिकारी को इस प्रभाव की आवश्यक सूचना दी है, ऐसे प्राधिकारी के विशिष्ट अनुमोदन के बिना अपनी सूचना वापस लेने में प्रवर्तित किया जाएगा :

परन्तु यह कि सूचना वापस लेने के लिए अनुरोध सेवानिवृत्ति की आशयित तारीख से पहले किया जाएगा।

- (ग) खण्ड (क) या खण्ड (ख) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी यह नियुक्ति प्राधिकारी की इच्छा पर होगा कि वह ऐसे कर्मचारी, जो निलम्बनाधीन है या जिसके विरुद्ध किसी अवचार या किसी न्यायालय में किसी अपराध की बाबत लम्बित किसी विधिक कार्रवाई की बाबत कोई अनुशासनिक कार्रवाई लम्बित हो या यथास्थिति अन्वेषणाधीन है या विचाराधीन है, और जो इस नियम के अधीन सेवानिवृत्त होना चाहता है के संबंध में अनुमति रोक ले।

[फा. सं. 2 (11)/बीमा-III/95]  
सी. एस. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्पष्टीकरण ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 को सा. का. नि. सं. 525 (अ) तारीख 28-6-1995 द्वारा भविष्य निधि में

निगम के अभिधाय के बचते 1-11-93 से प्रभावी पेंशन के प्राव्यों का उपर्युक्त अधिसूचित किया है।

अंशदायी भविष्य निधि के बदले निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन स्कीम के आरम्भ का विचार में रखते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) नियम, 1960 के नियम 19 का संशोधन किया जाना आवश्यक हो गया है।

प्रस्तावित संशोधन केवल परिणामी है और यह प्रमाणित किया जाता है कि इनमें किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मूल नियम तारीख 23-7-1960 की अधिसूचना द्वारा भारत के राजपत्र के भाग 4 में अधिसूचित किए गए थे।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)

INSURANCE DIVISION  
NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1996

G.S.R. 93(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following Rules to amend the Life Insurance Corporation of India (Staff) Rules, 1960 namely :—

1. Short title and Commencement.—(1) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Staff) Second Amendment Rules, 1996.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993.

2. In Rule 19 of the Life Insurance Corporation of India (Staff) Rules, 1960 (hereinafter referred to as the 'Staff Rules'), for sub-rule (2A), the following sub-rule shall be substituted namely :—

"2A. (a) Notwithstanding what is stated in sub-rules (1) and (2) above, an employee may be permitted to retire at any time on completion of the age of 55 after giving three month's notice in writing to the appointing authority of his intention to retire.

(b) (i) Notwithstanding the provisions of clause (a), an employee governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 may be permitted to retire at any time after he has completed twenty years of qualifying service, by giving notice of not less than ninety days, in writing, to the appointing authority :

Provided that this sub-clause shall not apply to an employee who is on deputation unless after having been transferred or

having returned to India he has resumed charge on the post in India has served for a period of not less than one year :

Provided further that this sub-clause shall not apply to an employee who seeks retirement from service or being absorbed permanently in an autonomous body or a public sector undertaking to which he is on deputation at the time of seeking voluntary retirement.

- (ii) The notice of voluntary retirement given under sub-clause (i) of clause (b) shall require acceptance by the appointing authority :

Provided that where the appointing authority does not refuse to grant the permission for retirement before the expiry of the period specified in the said notice, the retirement shall become effective from the date of expiry of the said period.

- (iii) (A) An employee referred to in sub-clause (i) may make a request in writing to the appointing authority to accept notice of voluntary retirement of less than ninety days giving reasons therefor;

(B) On receipt of such a request, the appointing authority may, subject to the provisions of sub-clause (ii) of clause (b), consider such request for the curtailment of the period of notice of ninety days on merits and if it is satisfied that the curtailment of the period of notice will not cause any administrative inconvenience, the appointing authority may relax the requirement of such notice.

- (iv) An employee, who has elected to retire under this rule and has given necessary notice to that effect to the appointing authority, shall be precluded from withdrawing his notice except with the specific approval of such authority :

Provided that the request for such withdrawal shall be made before the intended date of his retirement.

- (C) Notwithstanding anything contained in clause (a) or clause (b), it shall be open to the appointing authority to withhold permission to an employee who is under suspension or against whom a disciplinary proceeding in respect of a misconduct or a judicial proceeding in respect of an offence in a court of law is pending, or as the case may be, under investigation or trial and who seeks to retire under this sub-rule.

[F. No. 2(11)|Ins. III|95]  
C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

## EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have notified the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 vide GSR No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 1-11-1993 in lieu of Corporation's contribution to the Provident Fund.

In view of the introduction of Pension Scheme for the employees of the Corporation in lieu of Contributory Provident Fund, it has become necessary to amend rule 19 of the Life Insurance Corporation of India (Staff) Rules, 1960.

The proposed amendments are only consequential and it is certified that no employee is likely to be adversely affected thereby.

The Principal Rules were notified vide Notification dated 23-7-1960 in Part IV of the Gazette of India.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

सा. का. नि. 94 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 की उपधारा (2) के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी 1 अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी 1 अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) दूसरा संशोधन नियम, 1996 है।

- (2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय ये नियम 1 नवम्बर, 1993 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी 1 अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 में नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

#### "8. भविष्य निधि .

- (1) परिक्षाधीन अधिकारी या अस्थायी आधार पर नियुक्त किए गए अधिकारी या भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 द्वारा शासित किसी अधिकारी से भिन्न भविष्य निधि में औद्योगिक कर्मचारियों के लिए 1960-100 श्रृंखला में अखिल भारतीय औसत उप-भोक्ता मूल्य सूचकांक की त्रैमासिक औसत में सूचकांक संख्या 1149 तक 600 प्वाइंट से

अधिक पर प्रत्येक नए प्वाइंट के लिए अपने मूल वेतन और इस पर अनुज्ञेय मंहगाई भत्ते के योग दस प्रतिशत की दर से अभिदाय करेगा और निगम भी भविष्य निधि में प्रत्येक ऐसे अधिकारी द्वारा वस्तुतः अभिदान राशि के बराबर, किन्तु कर्मचारी के अभिदाय से अधिक नहीं, राशि का अभिदाय किया जाएगा।

2(i) ऐसा प्रत्येक श्रेणी 1 अधिकारी जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1985 द्वारा शासित है प्रत्येक मास निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में अपने मूल वेतन के दस प्रतिशत की दर से अभिदाय करेगा।

(ii) भविष्य निधि के न्यासी, 28 जून, 1995 से छह मास के भीतर निगम के अभिदाय के संचालित अतिशेष को, उस पर व्याज सहित ऐसे प्रत्येक अधिकारी जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 3 के उपनियम (3) द्वारा शासित है की दावत भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अंतरित कर देंगे।।”

[फा. सं. 2 (11)/बीमा III / 95 (i)]  
सी. एस. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

#### स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 को सा. का. नि. सं. 525 (अ) तारीख 28-6-1995 द्वारा भविष्य निधि में नियम के अभिदाय के बदले 1-11-1993 से प्रभावी पेंशन के फायदों का उगबंध अधिसूचित किया है।

अंशदायी भविष्य निधि के बदले निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन स्कीम के आरम्भ को विचार में रखते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी 1 अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 8 का संशोधन किया जाना आवश्यक हो गया है।

प्रस्तावित संशोधन केवल परिणामी है और यह प्रमाणित किया जाता है कि इन से किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मूल नियम सा. का. नि. सं. 794 (अ) तारीख 11-10-1985 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा. का. नि. सं. 960 (अ) तारीख 7-12-1987, सा. का. नि. सं. 493 (अ) तारीख 22-4-1988, सा. का. नि. सं. 872 (अ) तारीख 22-8-1988, सा. का. नि. सं. 711 (अ) तारीख 25-7-1989, सा. का. नि. सं. 816 (अ) तारीख 11-10-1990, सा. का. नि.

सं. 324 (अ) तारीख 10-3-1992, सा. का. नि. सं. 53 (अ) तारीख 2-2-1994 और सा. का. नि. सं. 597 (अ) तारीख 30-6-1995 द्वारा संशोधित किए गए थे।

#### INSURANCE DIVISION

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1996

G.S.R. 94 (E) :—In exercise of the powers conferred by clause (cc) of sub-section (2) of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short Title and Commencement :—(1) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Second Amendment Rules, 1996.

(2) Save as otherwise provided in these rules, these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, for rule 8, the following rule shall be substituted, namely :—

#### “8. Provident Fund :

(1) Every Class I Officers of the Corporation, other than an Officer on probation or an Officer appointed on a temporary basis or an Officer governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of the aggregate of his basic pay and dearness allowance payable thereon for every four points over 600 points up to Index No. 1148 in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers in the series 1960=100, (hereinafter referred to in these rules as the employee's contribution) and the Corporation shall also contribute to the Provident Fund an amount equal to the actual contribution of each such Officer but not exceeding the employee's contribution.

(2) (i) Every Class I Officer, who is governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of his basic pay.

(ii) The Trustees of the Provident Fund shall within six months from the 28th day of June, 1995, transfer; the accumulated balance of the Corporation's contribution together with the interest thereon in respect of each such officer who is governed by sub-rule (3) of rule 3 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund.”

[F. No. 2(11)/Ins. III/95(i)]

C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have notified the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 vide GSR No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 1-11-1993 in lieu of Corporation's contribution to the Provident Fund.

In view of the introduction of Pension Scheme for the employees of the Corporation in lieu of Contributory Provident Fund, it has become necessary to amend Rule 8 of the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985.



The proposed amendments are only consequential and it is certified that no employee is likely to be adversely affected hereby.

The principal rules were published vide GSR No. 794(E) dated 11-10-1985 and subsequently amended vide G.S.R. No. 60(E) dated 7-12-1987, G.S.R. No. 493(E) dated 22-4-1988, G.S.R. No. 872(E) dated 22-8-1988, G.S.R. No. 711(E) dated 5-7-1989, G.S.R. No. 816(E) dated 11-10-1990, G.S.R. No. 24(E) dated 10-3-1992 and G.S.R. No. 53(E) dated 2-2-1994.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

सा.का.नि. 95 (अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 की उपधारा (2) के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) दूसरा संशोधन नियम, 1996 है।

(2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये नियम 1 नवंबर, 1993 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी, (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण नियम, 1986 के नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

#### “8. भविष्य निधि :

(1) परिवीक्षाधीन विकास अधिकारी या अस्थायी आधार पर नियुक्त किए गए विकास अधिकारी या भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 द्वारा शासित किसी विकास अधिकारी से भिन्न प्रत्येक विकास अधिकारी, निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में अपने मूल वेतन और उस पर संदेय महंगाई भत्ता जो औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल सूचकांक श्रृंखला 1960-100 के दैमासिक औसत में 600 बिंदु से 1148 सूचकांक तक के प्रत्येक चार बिंदु पर देय होगा, के कुल योग का दस प्रतिशत की दर पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् इन नियमों में कर्मचारियों का अभिदाय कहा गया है) और निगम भी भविष्य निधि में प्रत्येक ऐसे विकास अधिकारी के वास्तविक

अभिदाय की रकम के बराबर किन्तु कर्मचारियों के अभिदाय से अनधिक किसी रकम का अभिदाय करेगा।

(2) (i) प्रत्येक विकास अधिकारी, जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 से शासित है तो वह प्रत्येक मास निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में अपने मूल वेतन के दस प्रतिशत की दर पर अभिदाय करेगा।

(ii) भविष्य निधि का न्यासी, 28 जून, 1995 से छः मास के भीतर, ऐसे विकास अधिकारी की बाबत जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी पेंशन नियम, 1995 के नियम 3 के उपनियम (3) द्वारा शासित है, निगम के अभिदाय के संबंधित अधिशेष को उस पर व्याज सहित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि को अंतरित करेगा।

[फा. सं. 2(11) बीमा III/95 (ii)]  
सी.एस. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

#### स्पष्टीकरण आपन

केन्द्रीय सरकार को भविष्य निधि में निगम के अभिदाय के बदले में 1-11-1993 से पेंशन संबंधी फायदों का उपबंध करने के लिये, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 को सा.का.नि. सं. 525(अ) तारीख 28-6-1995 द्वारा अधिसूचित किया है।

निगम के कर्मचारियों को अभिदायी भविष्य निधि के बदले में पेंशन स्कीम आरंभ किये जाने को दृष्टि में रखते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 के नियम 8 का संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

प्रस्तावित संशोधन केवल पारिणामिक है और यह प्रमाणित किया जाता है कि इससे किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मूल नियम सा.का.नि. सं. 1091(अ) तारीख 17-9-1986 द्वारा प्रकाशित किये गये थे और तत्पश्चात् उनका

सा.का.नि. सं. 962(अ) तारीख 7-12-1987, सा.का.नि. सं. 871(अ) तारीख 22-8-1988, सा.का.नि. सं. 968(अ) तारीख 7-11-1989, सा.का.नि. सं. 825(अ) तारीख 9-10-1990, सा.का.नि. सं. 55(अ) तारीख 21-1-1992, सा.का.नि. सं. 325(अ) तारीख 10-3-1992, सा.का.नि. सं. 54(अ) तारीख 2-2-1994; और सा.का.नि. सं. 596(अ) तारीख 30-6-1995 द्वारा संशोधन किया गया।

## INSURANCE DIVISION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1996

G.S.R. 95(E).—In exercise of the powers conferred by clause (cc) of sub-section (2) of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Second Amendment Rules, 1996.

(2) Save as otherwise provided in these rules, these rules shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986, for rule 8, the following rule shall be substituted namely :—

## “8. Provident Fund :

(1) Every Development Officer of the Corporation other than a Development Officer on probation or a Development Officer appointed on a temporary basis or a Development Officer governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of the aggregate of his basic pay and dearness allowance payable thereon for every four points over 600 points up to Index No. 1148 in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers in the series, 190=100 (hereinafter referred to in these rules as the employee's contribution) and the Corporation shall also contribute to the Provident Fund an amount equal to the actual contribution of each such Development Officer but not exceeding the employee's contribution.

(2) (i) Every Development Officer, who is governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of his basic pay.

(ii) The Trustees of the Provident Fund shall within six months from the 28th day of June 1995, transfer the accumulated balance of the Corporation's contribution together with the interest thereon in respect of each such Development Officer who is governed by sub-rule (3) of rule 3 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund.”

[F. No. 2(11)/Ins. III/95(ii)]  
C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

## EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have notified the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 vide GSR No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 1-11-1993 in lieu of Corporation's contribution to the Provident Fund.

In view of the introduction of Pension Scheme for the employees of the Corporation in lieu of Contributory Provident Fund, it has become necessary to amend rule 8 of the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986.

The proposed amendments are only consequential and it is certified that no employee is likely to adversely affected thereby.

The principal rules were published vide G.S.R. No. 1091(E) dated 17-9-1986 and subsequently amended vide G.S.R. No. 962(E) dated 7-12-1987, G.S.R. No. 871(E) dated 22-8-1988, G.S.R. No. 968(E) dated 7-11-1989, G.S.R. No. 825(E) dated 9-10-1990, G.S.R. No. 55(E) dated 21-1-1992, G.S.R. No. 325(E) dated 10-3-1992 and G.S.R. No. 54(E) dated 2-2-1994.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

सा.वा.नि. 96(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 की उपधारा (2) के खंड (गग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

## 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) दूसरा संशोधन नियम, 1996 है।

(2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये नियम 1 नवंबर, 1993 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात् :—

## “8. भविष्य निधि :

(1) परीक्षाधीन कर्मचारी या अस्थायी आधार पर नियुक्त किये गये कर्मचारी या भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 द्वारा शासित किसी कर्मचारी से भिन्न निगम का वर्ग 3 और वर्ग 4 का प्रत्येक कर्मचारी, निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में, अपने मूल वेतन भत्ते के उस भाग, जिन्हें भविष्य निधि की संगणना के प्रयोजन के लिये, पात्र विनिर्दिष्ट किया गया है (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् इन नियमों में पात्र भत्ते कहा गया है) और उस मूल वेतन और ऐसे पात्र भत्ते पर, जिसे मंहगाई भत्ता, के लिये गिना जाता है, संदेय मंहगाई भत्ता जो औद्योगिक कर्मचारियों के लिये अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल सूचकांक शृंखला 1960=100 के त्रैमासिक औसत में 600 बिन्दु से 1148 सूचकांक तक के प्रत्येक चार बिन्दु पर देय होगा, के कुल योग का दम प्रतिशत की दर पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् इन नियमों में कर्मचारियों का

अभिदाय कहा गया है) या अभिदाय करेगा और निगम भी, भविष्य निधि में प्रत्येक ऐसे कर्मचारी के वास्तविक अभिदाय की रकम के बराबर, किन्तु कर्मचारियों के अभिदाय से अनधिक किसी रकम का अभिदाय करेगा।

- 2(1) वर्ग 3 और वर्ग 4 का प्रत्येक कर्मचारी, जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 से शासित है, प्रत्येक मास निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में अपने कुल मूल वेतन और कर्मचारी के पात्र भने के दस प्रतिशत की दर पर अभिदाय करेगा।
- (2) भविष्य निधि का न्यासी, 28 जून, 1995 से छः मास के भीतर ऐसे वर्ग 3 और वर्ग 4 के प्रत्येक कर्मचारियों की बाबत जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 3 के उपनियम (3) के उपबन्धों द्वारा शासित है, निगम के अभिदाय के सूचित अधिशेष को उस पर ब्याज सहित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अंतरित करेगा।

[फा.सं. 2(11)/बीमा-III/95(ii)]

सी.एस. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

#### स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने भविष्य निधि में निगम के अभिदाय के बदले 1-11-1993 से पेंशन संबंधी फायदों का उपबन्ध करने के लिए, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 को सा.का.नि. सं. 525(अ) तारीख 28-6-1995 द्वारा अधिसूचित किया है।

निगम के कर्मचारियों को अभिदायी भविष्य निधि के बर्तों में पेंशन स्कीम आरम्भ किए जाने की दृष्टि से रखते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और णतों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 8 का संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

प्रस्तावित संशोधन केवल पारिणामिक है और प्रमाणित किया जाता है कि इनमें किसी कर्मचारी पर प्रति-कूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मूल नियम सा.का.नि. सं. 357(अ) तारीख 11-4-85 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात उनका

सा.का.नि. सं. 18(अ) तारीख 7-1-1986,

सा.का.नि. सं. 1076(अ) तारीख 11-9-1986,

सा.का.नि. सं. 961(अ) तारीख 7-12-1987,

सा.का.नि. सं. 870(अ) तारीख 8-7-88, और  
21-8-1988, यों

सा.का.नि. सं. 515(अ) तारीख 12-5-1989,

सा.का.नि. सं. 509(अ) तारीख 24-5-1990,

सा.का.नि. सं. 620(अ) तारीख 6-7-1990,

सा.का.नि. सं. 628(अ) तारीख 16-7-1990,

सा.का.नि. सं. 338(अ) तारीख 11-7-1991,

सा.का.नि. सं. 697(अ) तारीख 25-11-1991,

सा.का.नि. सं. 46(अ) तारीख 4-2-1993,

सा.का.नि. सं. 47(अ) तारीख 4-2-1993,

सा.का.नि. सं. 746(अ) तारीख 13-12-1993,

सा.का.नि. सं. 55(अ) तारीख 2-2-1994,

सा.का.नि. सं. 595(अ) तारीख 30-6-1995, और

सा.का.नि. सं. 669(अ) तारीख 27-9-1995 द्वारा संशोधन किया गया।

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1996

G.S.R. 96(E).—In exercise of the powers conferred by clause (cc) of sub-section (2) of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

#### 1. Short Title and Commencement :—

(i) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Second Amendment Rules, 1996.

(ii) Save as otherwise provided in these rules, these rules shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, for rule 18, the following rule shall be substituted namely :—

#### “18. Provident Fund :

(1) Every Class III or Class IV employee of the Corporation, other than an employee on probation or an employee appointed On a temporary basis or an employee governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of the aggregate of his basic pay, portions of the allowances which are specified as eligible for the purpose of computation of Provi-

dent Fund (hereinafter referred to in these Rules as the eligible allowances) and Dearness Allowance payable on such basic pay and on such eligible allowances as count for Dearness Allowance for every four points over 600 points upto Index No. 1148 in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers in the series 1960—100 hereinafter referred to in these rules as the employee's contribution) and the Corporation shall also contribute to the Provident Fund an amount equal to the actual contribution of each such employee but not exceeding the employee's contribution.

- (2)(i) Every Class III or Class IV employee, who is governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of the aggregate of the basic pay and eligible allowances of such employees.
- (ii) The Trustees of the Provident Fund shall within six months from the 28th day of June, 1995, transfer the accumulated balance of the Corporation's contribution together with the interest thereon in respect of each such Class III and Class IV employee who is governed by the provisions of sub-rule (3) of rule 3 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund".

[F. No. 2(11)/Ins. III/95(iii)]

C. S. RAO, Joint Secretary (Insurance)

### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have notified the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules 1995 vide GSR No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 1-11-1993 in lieu of Corporation's contribution to the Provident Fund.

In view of the introduction of Pension Scheme for the employees of the Corporation in lieu of Contributory Provident Fund, it has become necessary to amend rule 18 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985.

The proposed amendments are only consequential and it is certified that no employee is likely to be adversely affected thereby.

The principal rules were published vide G.S.R. No. 357(E) dated 11-4-1985 and subsequently amended vide G.S.R. No. 18(E) dated 7-1-1986, G.S.R. No. 1076(E) dated 11-9-1986, G.S.R. No. 961(E) dated 7-12-1987, G.S.R. No. 870(E) and 873(E) both dated 22-8-1988, G.S.R. No. 515(E) dated 12-5-1989, G.S.R. No. 509(E) dated 24-5-1990, G.S.R. No. 620(E) dated 6-7-1990, G.S.R. No. 628(E) dated 10-7-1990, G.S.R. No. 338(E) dated 11-7-1991, G.S.R. No. 697(E) dated 25-11-1991, G.S.R. No. 46(E) dated 4-2-1993, G.S.R. No. 47(E) dated 4-2-1993, G.S.R. No. 746(E) dated 13-12-1993 and G.S.R. No. 55(E) dated 2-2-1994.